

2026:AHC:53257

इलाहाबाद उच्च न्यायालय, इलाहाबाद

रिट - सी संख्या - 9741/2026

सुशीला देवी

....याचिकाकर्ता(गण)

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 3 अन्य

.....प्रतिवादी(गण)

याचिकाकर्ता(ओं) के अधिवक्ता

: अमीश कुमार श्रीवास्तव, प्राप्ति श्रीवास्तव

प्रतिवादि(यों) के अधिवक्ता

: सी.एस.सी., सुधीर भारती

न्यायालय संख्या – 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया

1. याची के विद्वान अधिवक्ता, प्रतिवादी-राज्य के विद्वान स्थायी अधिवक्ता तथा प्रतिवादी संख्या 4 के विद्वान अधिवक्ता श्री सुधीर भारती को सुना गया एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया।
2. उपर्युक्त पारित किए जाने वाले आदेश के दृष्टिगत, प्रतिवादीगण को नोटिस निर्गत कर इस याचिका को इस न्यायालय के समक्ष लंबित रखने से कोई उपयोगी उद्देश्य सिद्ध नहीं होगा। तथापि, यदि प्रतिवादि/प्रतिवादीगण उक्त आदेश से व्यथित होते हैं, तो उन्हें आदेश के संशोधन/परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
3. वर्तमान याचिका में याची द्वारा मांगा गया मुख्य अनुतोष यह है कि प्रतिवादी संख्या 2 को निर्देशित किया जाए कि वह वाद संख्या 2400 वर्ष 2023, कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या टी202305470402400 में लंबित पुनर्स्थापन प्रार्थना पत्र का निस्तारण यथाशीघ्र करे।
4. याची के अधिवक्ता द्वारा यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि यद्यपि पर्याप्त समय व्यतीत हो चुका है, किन्तु आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।
5. मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, वर्तमान याचिका का निस्तारण करते हुए प्रतिवादी संख्या 2 को निर्देशित किया जाता है कि वह उपर्युक्त वाद का निस्तारण विधि के अनुसार यथाशीघ्र, अधिमानतः तीन माह की अवधि के भीतर करे, बिना अनावश्यक स्थगन दिए, बशर्ते कि कोई विधिक बाधा न हो।

16 मार्च, 2026

(प्रकाश पाडिया, न्यायमूर्ति)